मैं ढूंढ फिरी जग सारा

मैं ढूंढ फिरी जग सारा मुझे मिला न प्रीतम प्यारा
मुझे न मिला न प्रीतम प्यारा,
मैं ढूंढ फिरी जग सारा.....

मैं कुंदन कुंदन भटकी अब आ वृन्दावन अटकी,
ढूंढा यमुना का किनारा,मुझे न मिला न प्रीतम प्यारा,
मैं ढूंढ फिरी जग सारा.....

तेरी सवाली सूरत मन वस् गई मोहे नागिन बन कर डस गई,
मुझे दे गया झूठा लारा मुझे न मिला न प्रीतम प्यारा,
मैं ढूंढ फिरी जग सारा.....

मैं का सु कहु दिल की मने रो रो आवे हिचकी,
कहा चुप गया नन्द दुलारा मुझे न मिला न प्रीतम प्यारा,
मैं ढूंढ फिरी जग सारा.....

स्वर : पूनम यादव

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/15889/title/main-dhund-phiri-jag-saara

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |